कोमल है कमजोर नहीं तू "शक्ति" का नाम ही नारी है

प्रकृति स्वयं नारी–रुपा है और हमारे देश में तो "भारत" को माता की संज्ञा दी गई है. ऐसे देश में हर दिन महिलाओं का सम्मान होना चाहिए केवल एक दिन नहीं, इन विचारों के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अग्रवाल महाविद्यालय के संभाग प्रथम के सभागार में "महिलाओं के अधिकार" विषय पर एक परिचर्चा आयोजित की गई जिसमें छात्राओं ने विशेष रुचि दिखाई. बी.कॉम व बी.ए. की छात्राओं – आरती, अंजली, नेहा, कविता, वन्दना, प्रीति पांडेय, शिल्पी, नेहा, मेघा ने महिलाओं की स्थिति पर विचार करते हुए बताया कि आधुनिक महिला सशक्त और शिक्षित है तथा वह परिवार, समाज व कार्यस्थल की जिम्मेदारी अत्यन्त कुशलता पूर्वक सम्भालती है. स्त्री के बिना घर–परिवार की कल्पना भी नहीं की जा सकती. महिलाओं की उपस्थिति समाज में नमक की तरह है, जीवन के लिए परमावश्यक तत्व है, जीवन का आधार है.

अतः समाज नारी को अबला नहीं अपितु सशक्त समझे. महिलाओं को भी अपने पर दया करना छोड़कर अपने पर गर्व करना चाहिए कि वह स्रष्टा हैं, शक्ति हैं.

यह परिचर्चा श्रीमती कमल टंडन और किरण आनन्द के मार्गदर्शन में संपन्न हुई. इस अवसर पर अन्य सभी प्राध्यापकगण भी उपस्थित थे.